प्रधानमंत्री मोदी ने किया डेडिकेटेड फ्रंट कॉरिडोर का उद्घाटन

आज का दिन भारतीय रेल के गौरवशाली अतीत को 21वीं सदी में नयी पहचान दिलाने तथा भारत व भारतीय रेल का सामर्थ्य बढ़ाने वाला: प्रधानमंत्री, रेलवे विकास की जीवन रेखा है: सीएम

संवाददाता : कानपुर रेलवे

कानपुर रेलवे के नए भारतीय संस्करण से नए युग्मों डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का वर्चुअल माध्यम से पीएम मोदी ने आज राजकीय उद्घाटन किया और 11 बजकर 15 मिनट पर नए भारतीय संस्करण से नए युग्मों तथा पहली बार संचालित हो रही मालगाड़ियों को हरी झंडी दिखाई जिसके बाद संयोग मालगाड़ी पुनर्गठन किया है हरी झंडी दिखाकर मालगाड़ियों को रवाना किया। आज नए भारतीय संस्करण में मालगाड़ी ट्रेन को गुजरात की तरह रवाना गया था। कार्यक्रम में रेलमंत्री पीयूष गोयल वर्चुअल माध्यम से सम्मिलित हुए। उद्घाटन कार्यक्रम में कई सांसद विधायकों के साथ वर्चुअल माध्यम से यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में पीयूष गोयल ने रेल को समर्पित भी किया और इस डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर को ऐतिहासिक बताया वहीं उन्होंने कहा कि पहले रेलवे की प्राथमिकता यात्री थी। जिससे मालगाड़ियों के साथ बराबरी मालगाड़ियों का भी संचालन होता था। जिससे भारत ट्रेन अथवा गेट होती थी और मालगाड़ियों को आगे आने में दिक्कत होती थी साथ ही बाकी माल को जाने में आधुनिक हो रही थी। रेल के प्रयासमंत्री के अथक प्रयासों से रेलवे की तरफ को बढ़ाया गया है और माल ले जाने के लिये अलग एक रेलवे लाइन में मालगाड़ी को चलाया गया है। मालगाड़ी बढ़ने से भारतीयों किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा और आगे चलकर और भी ट्रेन बढ़ाई जाएंगी। जिससे आने वाले वाले यात्रियों को सुविधाएं मिलेंगी। इसी के चलते कानपुर रेलवे के भारतपुरा से सूर्यवां के बीच 351 किमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का उद्घाटन किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कॉरिडोर कॉर्पोरेशन के माध्यम से देशभर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के 351 किमी लम्बाई के नए युग्मों से नए भारतपुरा खण्ड तथा केन्द्रीय परिचालन नियंत्रण केन्द्र प्रयागराज का उद्घाटन किया। कॉरिडोर कॉर्पोरेशन के माध्यम से हरी झण्डी दिखाकर सूर्यवां एवं भारतपुरा रेलवे स्टेशनों से मालगाड़ियों को रवाना किया।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कॉरिडोर कॉर्पोरेशन के माध्यम से देशभर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के 351 किलोमीटर लम्बाई के नए युग्मों से नए भारतपुरा खण्ड तथा केन्द्रीय परिचालन नियंत्रण केन्द्र प्रयागराज का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कॉरिडोर कॉर्पोरेशन के माध्यम से हरी झण्डी दिखाकर सूर्यवां एवं भारतपुरा रेलवे स्टेशनों से मालगाड़ियों को रवाना किया। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कॉरिडोर कॉर्पोरेशन के माध्यम से कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

प्रधानमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज का दिन भारतीय रेल के गौरवशाली अतीत को 21वीं सदी में नयी पहचान दिलाने तथा भारत व भारतीय रेल का सामर्थ्य बढ़ाने वाला है। सूर्यवां और भारतपुरा से चलने वाली मालगाड़ी के संचालन के साथ ही नये और आधुनिक भारत की गूंज और गर्जना सुनायी दी है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय परिचालन नियंत्रण केन्द्र प्रयागराज को नये भारत के नये सामर्थ्य का प्रतीक है। यह दुनिया का सेंट्रलाईज और आत्मनिर्भर भारत की गूंज और गर्जना सुनायी दी है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय परिचालन नियंत्रण केन्द्र प्रयागराज को नये भारत के नये सामर्थ्य का प्रतीक है। यह दुनिया का सेंट्रलाईज और आत्मनिर्भर भारत की गूंज और गर्जना सुनायी दी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर किसी भी राष्ट्र की सामर्थ्य का सबसे बड़ा स्रोत है। इसमें भी कनेक्टिविटी राष्ट्र की नसों और धड़कनों हैं। यह नसें जितनी मजबूत होंगी, राष्ट्र भी उतना ही सामर्थ्यवान होगा। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व की बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की राह पर अग्रसर है। रेलवे में नेटवर्क कनेक्टिविटी रेल की प्राथमिकता है। इसी सोच के साथ पिछले 06 वर्षों में आधुनिक कनेक्टिविटी के हर पहलू पर फोकस के साथ काम किया गया है। इसीलिए आर्थिक रफ्तार के बनाने 23 परियोजनाएं नेट रेलवेज एवं भारत में एक आई है को गति दी जा रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर को सुदृढ़ करने की दिशा में एक कदम है। आज भारत में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर मालगाड़ियों के लिए बनाये गये विशेष ट्रैक हैं। उन्होंने कहा कि खेतों उद्योगों खाना आदि सभी आर्थिक गतिविधियों के लिए माल ढुलाई जरूरी है। इस इलाका सबसे बड़ा माध्यम रही है। अर्थव्यवस्था के विकास के साथ ही माल ढुलाई पर दबाव बढ़ा। इसी दौर में मालगाड़ियों व यात्री ट्रेनों एक ही पटरी पर परिचालित होती है। इससे दोनों ही तरह की ट्रेनगाड़ियों की गति कम हो जाती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मालगाड़ियों के आवागमन में अधिक समय लगने से माल में वृद्धि होती है। इसके खेतों, खनिज उत्पाद एवं औद्योगिक उत्पादों की कीमत बढ़ जाती है। यात्रियों के गाड़ी हो जाने से वह ट्रेन/गेट के कारणों को लगभग दिन नहीं पाते हैं। इससे निपटने के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की परियोजना बनायी गयी। प्रारम्भ में 22 डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर बनाये जाने की योजना है। पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना के सुनियोजन के परिणाम स्वरूप के सामर्थ्यवान को जोड़ रहा है। वैगनों किलोमीटर लगभग 250 कॉरिडोर में योजना खर्चे, भवन पानी भण्डारण, औद्योगिक सहा तैयार है। इसके लिए जैसा भाग भी बनाये जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहिली डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर सहायता के जरिया लाल सिग्नल पोर्ट को उत्तर प्रदेश के राजों से जोड़ता है। लगभग 1500 किलोमीटर के इस कॉरिडोर में गुजरात के पुंदरा, कांडला पीपावाव, दहेज, हजीरा के बड़े बन्दरगाहों के लिए जैसा भाग होंगे। दोनों डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के आसपास जिसे सुनियोजित इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर और अनुसंधान कोलकाता इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर को निर्माण किये जा रहे हैं। इसी तरह इस को रफ्तार से और गुजर को गति से जोड़ने वाले ये विशेष रेल कॉरिडोर से पूरी कमर्शियल प्रॉजेक्ट पूरी की जा रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मालगाड़ियों के लिए इन सुविधाओं से भारी ट्रेनों को लेकर भी मदद होगी। मालगाड़ियों की गति बढ़ाकर पहले से तीन गुना हो जाएगी। साथ ही गुजर माल परिवहन को बिना रुकावट बनाकर इन कॉरिडोर पर इतना ट्रेनगाड़ियों संचालित की जा सकेगी। इससे सभी उत्पाद सस्ते होंगे और उनका निर्यात भी बढ़ेगा। रेल में निवेश औद्योगिक गतिविधियों और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना आत्मनिर्भर भारत का आधार बनेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का एक के लिए अवसर लेकर आये हैं। विश्वकक्षा पूर्वी भारत को नयी ऊर्जा देने वाला है। इस परियोजना का लगभग 60 प्रतिशत भाग उत्तर प्रदेश में है। इसलिए उत्तर प्रदेश के हर क्षेत्रों बड़ी प्रदेश को लाभ होगा। रेल निर्माण के उद्योगों में जिस प्रकार उत्तर प्रदेश के लिए अवसरों बीते वर्षों में पैदा हुआ है वह और अधिक बढ़ेगा। इन डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का लाभ किसान रेल को भी होने वाला है। कल ही देश में 100वीं किसान रेल को सुरू/प्रारंभ की गयी है। किसान रेल से खेती की उपज को देश के बड़े-बड़े बाजारों में पहुंचाना सम्भव हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नये फ्रेट कॉरिडोर में किसान रेल और भी तेजी से अपने गंतव्य पर पहुंचेगी। उत्तर प्रदेश में भी किसान रेल के अनेक परिचालन शुरू चुके हैं। इसमें लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। उत्तर प्रदेश के रेलवे स्टेशनों के पास लगातार और कोल्ड चेनों की क्षमता बढ़ायी जा रही है। उत्तर प्रदेश के 40 स्थान पोस्टों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त किया गया है। इसके अलावा 17 में 26 नये गुदाम केंद्र भी बनाये गये हैं। बाराबाकी और चारबोहा में 22 बड़े परिचालन बनाये केन्द्रा चलने हो किसानों को लेकर दे रहे हैं। इसमें किसान खाद, सब्जियां जैसी जल्दी खराब होने वाली उपज बेहतर कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना देश के लिए 2006 में संकुचित हो गयी थी। वर्ष 2014 के बाद इस परियोजना को तेजी से बढ़ाया गया। आगामी कुछ महीनों में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना पर 1100 किलोमीटर का काम पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना केन्द्र आपदा ने पूर्वजों सामग्रों की भांति ट्रेनों को संकट बढ़ाने के स्थान पर नये चरितों के आधुनिकीकरण पर काम दिया। आज के दिन बड़ा की व्यवस्था खाना का रेलवे ट्रैक को तेजी से चलने वाली ट्रेनों के लिए तैयार किया गया। रेलवे नेटवर्क के पेट्रोलिंग व रिसुर्फेसिंग पर फोकस किया गया। आज चलने भारतपुर जैसी रोजी ड्राईवर ट्रेन भी संचालित हो रही हैं। साथ ही भारतीय रेल चलने से बड़ी आर्थिक सुविधा हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में रेलवे में हर स्तर पर सुधार किये गये। रेलवे में स्वचालन केवल खान-पान व अन्य सुविधाओं पर नहीं किया गया। रेलवे में सुदृढ़ पेंट्रीक्लिनिंग में भारत ने बड़ी छलांग लगायी है। रेल में अब आधुनिक ट्रेनों के निर्माण के साथ ही निर्माण भी हो रहा है। वातानुकूल का लोकोमोटिव कारखाना इलेक्ट्रिक इंजन बनाने वाला बड़ा सेमाल बन गया है। रेल कोचों निकट कोचर कोच फैक्टरी में अब तक 20000 के लगभग नये रेलवे कोच बन चुके हैं। यहां बनने वाले रेल कोच अब निर्यात भी किये जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनों और आन्दोलनों में रेल के इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को चर्चा करते हुए कहा कि यह सम्पत्ति देश के नागरिकों कमाकाया मेहनत के हर कर्म की है। इसमें लगभग पैसा लगा हुआ है। इसलिए इस सम्पत्ति को होने वाला नुकसान देश के गरीबों सामान्य वर्ग को होने वाला नुकसान है। अगर लोकतान्त्रिक अधिकार वाले हुए राष्ट्रीय दायित्व को नहीं भुलाना चाहिए। भारतीय रेल को अक्सर प्रदर्शनों में निशाना बनाया जाता है। सबसे रेलवे सुविधाएं गतिविधियों में भी योगदान से देश के काम आती है। कोरोना काल में इसकी सकारात्मकताओं को चमत्कार पहुंचाया। इसका मालगाड़ी आदि के कोरोना केन्द्र आपदा ने पुर्वजों सामग्रों की भांति ट्रेनों को संकट बढ़ाने के स्थान पर नये चरितों के आधुनिकीकरण पर काम दिया। आज के दिन बड़ा की व्यवस्था खाना का रेलवे ट्रैक को तेजी से चलने वाली ट्रेनों के लिए तैयार किया गया। रेलवे नेटवर्क के पेट्रोलिंग व रिसुर्फेसिंग पर फोकस किया गया। आज चलने भारतपुर जैसी रोजी ड्राईवर ट्रेन भी संचालित हो रही हैं। साथ ही भारतीय रेल चलने से बड़ी आर्थिक सुविधा हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में रेलवे में हर स्तर पर सुधार किये गये। रेलवे में स्वचालन केवल खान-पान व अन्य सुविधाओं पर नहीं किया गया। रेलवे में सुदृढ़ पेंट्रीक्लिनिंग में भारत ने बड़ी छलांग लगायी है। रेल में अब आधुनिक ट्रेनों के निर्माण के साथ ही निर्माण भी हो रहा है। वातानुकूल का लोकोमोटिव कारखाना इलेक्ट्रिक इंजन बनाने वाला बड़ा सेमाल बन गया है। रेल कोचों निकट कोचर कोच फैक्टरी में अब तक 20000 के लगभग नये रेलवे कोच बन चुके हैं। यहां बनने वाले रेल कोच अब निर्यात भी किये जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनों और आन्दोलनों में रेल के इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को चर्चा करते हुए कहा कि यह सम्पत्ति देश के नागरिकों कमाकाया मेहनत के हर कर्म की है। इसमें लगभग पैसा लगा हुआ है। इसलिए इस सम्पत्ति को होने वाला नुकसान देश के गरीबों सामान्य वर्ग को होने वाला नुकसान है। अगर लोकतान्त्रिक अधिकार वाले हुए राष्ट्रीय दायित्व को नहीं भुलाना चाहिए। भारतीय रेल को अक्सर प्रदर्शनों में निशाना बनाया जाता है। सबसे रेलवे सुविधाएं गतिविधियों में भी योगदान से देश के काम आती है। कोरोना काल में इसकी सकारात्मकताओं को चमत्कार पहुंचाया। इसका मालगाड़ी आदि के परिचालन में रेलवे ने उल्लेखनीय योगदान किया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रेलवे विकास की जीवनरेखा है। रेल के प्रदेश की प्रगति में इसका योगदान सर्वविदित है। इसलिये इसे आज रेलवे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के नए युग्मों से नए भारतपुरा खण्ड का उद्घाटन प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए उपयोग है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश भारतीय रेल के परिचालन में एक विशेष स्थान रखता है। 24 संवेदन रेलों द्वारा संचित इसमें प्रदेश में राजधानी स्थित कॉरिड कोच फैक्ट्री एवं मालगाड़ी स्थित डीजल लोकोमोटिव वर्क्स डेडिकेटेड यूनिट भी है। उत्तर प्रदेश में स्थित परिचालन तथा विकास में भारतीय रेल का महत्वपूर्ण योगदान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के निर्माण से मालगाड़ियों की औसत गति दोगुना 25 किलोमीटर प्रति घण्टा से बढ़कर 75 किलोमीटर प्रति घण्टा हो जाएगी। इससे प्रदेश में खाद्यान्न परिवहन में सुविधा होगी व औद्योगिक विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देशे लोकसंख्या राज्य के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इसका बड़ा हिस्सा प्रदेश में है। साथ ही इसके व केवल दोनों कॉरिडोर का संचालन भी राज्य में ही है। यह प्रदेश के आर्थिक विकास में सहायक होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि जिस 22.26 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में कॉरिडोर के निर्माण में जो गति आयी है उससे यह कॉरिडोर समयबद्ध होने से पूर्व होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉरिडोर बनने के दौरान 40 लाख श्रमिकों ने कामगारों को काम करने में भारतीय रेल ने अनुकूलपूर्ण योगदान किया। इससे भारतीय रेल और सामान्यजन के प्रति अधिक सम्मान के व्यक्ति में विकास सुदृढ़ हुआ। प्रदेश में लगभग 6.50 किलोमीटर के अधिक की नई लाइन आमान परिवर्तन तथा दोहरीकरण की परियोजनाएं प्रगति पर हैं। इसके पूरे होने पर प्रदेशवासियों को केवल एवं व्यक्ति रेल यात्रायात उपलब्ध होगा एवं मालगाड़ियों की गति में वृद्धि होगी। पिछले 4 वर्षों में बड़ी संख्या में मालवाहित समस्या व्यवस्था लाने गए हैं। जिससे 300.500 की बड़ी राशि निवेशित हुई है। उन्होंने आगे कहा की रेल की प्रोत्साहन मुहिम्म प्रदेश जिला एवं राष्ट्रीयकरण/प्रदेश स्थानों के अधिक बाहर में सामग्री का क्रय कर 3वें प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भारतीय रेल के मालगों का मालगाड़ियों संख्या के मामले में समायोजन करेगी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की व्यक्तिगत रुचि एवं लगातार प्रेरणा और प्रोत्साहन से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना पर वर्ष 2014 के पश्चात 47.5020 करोड़ रुपये के अधिक खर्चाकर काम हुई है। रेलवे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के 351 किलोमीटर लम्बाई के खुर्जा से भारतपुरा रेलखण्ड का शुभारम्भ कोच 27. डीएमएस का उद्घाटन है। प्रधानमंत्री ने स्थापित किया गया परिचालन नियंत्रण केन्द्र जिन्हें के आधुनिकतम परिचालन केन्द्रों में से एक है। उन्होंने कहा कि 47.5020 करोड़ रुपये लागत की दोनों डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजनाएं देश में विकास का परिचायक होंगी। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर केवल मालगाड़ियां चलेंगी। इससे देश के लाखों को आजादी से पहले तक पहुंचाया जा सकेगा। मैनुफैक्चरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर तक कार्गो माल एवं कुशलों के उत्पाद के परिवहन में भी तेजी आएगी।

वाहन चालकों की परेशानी में और होगा इजाफा

- ओवरब्रिज के निर्माण में लेटलतीफी से आम की समस्या और होगी विकराल

संवाददाता : कानपुर रेलवे

कानपुर की धड़कन में शीघ्रगति के आवागमन के लिये लगाए जाने वाले बहुत सारों को आम में जिसके को समस्याओं में दो चार होना पड़ेगा। पहले से ही रेलवे क्रॉसिंग में जाम से गुजरने वाले लोगों की परेशानियां और बढ़ने की सम्भावना है। ओवरब्रिजों के निर्माण की लेटलतीफी से जाम की समस्या से आगे निकल निकले की सम्भावना नहीं है।

रेलवे क्रासिंग निकले लगाए गए निर्माणकार्य उपरोगकी सेतु पहले से ही वाहनचालकों के लिये समस्या का बनी सकता बने है। लोगबाग को परेशानी में विशेष वाहनचारी परिचालन के गुजरना होने से वाहन चालकों को समस्याओं में और इजाफा हो जायेगा। पहले चार दो लाइनों पर ही रेलवे ट्रैक था। दोनों को के गुजरान के बाद लाइनों का रेलवे ट्रैक हो गया है। लोगबाग को ही चार लाइनों के एक साथ संचालन होने से केवल कानेज एक बनी तक बन गया। एक वर्षों में ही केवल के दोनों ओर वाहनों को लगभग बनाया गया गई। बना में साल से और ज्यादा पहाड़ ही गया उपरोगकी में निर्माणकार्य पहले के साथ एक लोहा जमीन में गीत गया। जिससे वाहन चालकों को और ज्यादा परेशानी के दौर से गुजरना पड़ा। एक साथ के वाहनों को गलियों में होकर गुजारा गया। वाहन के दोनों ओर अतिक्रमण ने और ज्यादा मिलिए पहाड़ का दी है। आवागमन सहित ट्रैफिक व यातायात पुलिस के वाहनों वाहनों को निकाल लेने में गुजारा गया। आगामी समय जब रेलवे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में 102 मालगाड़ियों के गुजरने ट्रैक से यातायातियों का संचालन होना एक निकलि और ज्यादा पहाड़ ही जायेगी। जनप्रतिनिधि व अधिकारियों का ध्यान व निर्देश भी इस विकास होगी समस्या का निदान नहीं हुई पाती है। जबकि ओवरब्रिज का निर्माण पूरा नहीं होना है तब एक वाहनचालकों को इस समस्या की आदत डालनी ही होगी।